सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 98 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 13 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हैप्पीनेस कोई रेडीमेड चीज नहीं है। ये आपके अपने कर्मों से आती है।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

बस नारी सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें... 2 | महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में मिल... 3 | भाजपा की कुटिल चालों से रहना... 7

कर्नाटक में मोदी को जोर का करंट, उत्तर प्रदेश में लहराया योगी का परचम

» यूपी में 17 नगर निगमों पर भाजपा की बढ़त
» कर्नाटक में 38 साल से सत्ता रिपीट नहीं हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के वोटों की गिनती शुरू हो गई है। इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, कांग्रेस 135, भाजपा 65, जेडीएस 20 और अन्य 4 सीटों पर आगे चल रही है। उधर यूपी के नगर निकाय चुनाव में योगी का जादू चला है। प्रदेश के 17 नगर निगमों में भाजपा को बढ़त मिल रही है। कर्नाटक में कांग्रेस बहुमत 113 के आंकड़े से 22 सीट ज्यादा। कांग्रेस को 42.8प्रतिशत, भाजपा को 36.1प्रतिशत और जेडीएस को 13.2 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक रुझानों को देखते हुए कांग्रेस ने अपने सभी विधायकों को बेंगलुरु पहुंचने को कहा है। उधर, जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा या कांग्रेस किसी भी पार्टी ने उनसे संपर्क नहीं किया है।

राज्य में 38 साल से सत्ता रिपीट नहीं हुई है। आखिरी बार 1985 में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व वाली जनता पार्टी ने सत्ता में रहते हुए चुनाव जीता था। वहीं, पिछले पांच चुनाव (99, 2004, 8, 13 और18) में से सिर्फ दो बार (99, 13) सिंगल पार्टी को बहुमत मिला।

कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से पार

कुल सीटें 224 | पूर्ण बहुमत सीटें 113

3 बजे तक के रुझान

कांग्रेस	बीजेपी	जेडीएस	अन्य
रुझान सीटें-137	रुझान सीटें-62	रुझान सीटें-21	रुझान सीटें-4

पहली बार 73.19 प्रतिशत मतदान

10 मई को 224 सीटों के लिए 2,615 उम्मीदवारों के लिए 5.13 करो? मतदाताओं ने वोट डाले। चुनाव आयोग के मुताबिक, कर्नाटक में 73.19त मतदान हुआ है। यह 1957 के बाद राज्य के चुनावी इतिहास में सबसे ज्यादा है।

डीके शिवकुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया

डीके शिवकुमार ने कहा कि ये जीत अखंड कर्नाटक की जीत है। इससे पहले कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने बेंगलुरु में अपने आवास के बाहर एकत्रित पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। जीत के बाद वो मीडिया से बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने जीत केलिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे को श्रेय दिया।

पापा बनें सीएम : यतींद्र सिद्धारमैया

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस नेता यतींद्र सिद्धारमैया ने कहा, एक बेटे के रूप में मैं निश्चित रूप से अपने पिता(सिद्धारमैया) को फिर से मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहूंगा। पिछली बार उनकी सरकार ने बहुत अच्छा शासन किया था, इस बार भी अगर वे सीएम बनते हैं तो भाजपा सरकार ने जो कुशासन दिया है वह उनके द्वारा ठीक किया जाएगा, इसलिए राज्य के हित में भी मुझे लगता है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

हार स्वीकार, वापसी करेंगे : बोम्मई

बीजेपी नेता और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में अपनी हार स्वीकार कर ली है। बोम्मई ने कहा, कि आगे के चुनाव अच्छे करने की कोशिश करेंगे। पार्टी को रीऑर्गेनाइज करेंगे। लोकसभा चुनाव मे कमबैक करेंगे। हमें फाइनल नतीजों का इंतजार है और हम आगे के चुनाव अच्छे करने की कोशिश करेंगे। आने वाले दिनों में नतीजों का विश्लेषण करेंगे। हम पार्टी को फिर से संगठित करेंगे।

कर्नाटक ने सांप्रदायिक राजनीति को नकारा : गहलोत

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कर्नाटक में कांग्रेस की संभावित जीत को लेकर कहा, कर्नाटक ने सांप्रदायिक राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक में जो माहौल दिखा था आज उसी का नतीजा कर्नाटक के चुनाव परिणाम में स्पष्ट दिख रहा है। यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने शानदार कैंपेन किया। कर्नाटक ने सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर विकास की राजनीति को चुना है। आने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भी इसकी पुनरावृत्ति होगी।

बीजेपी मुक्त हुआ दक्षिण भारत : बीवी

भारतीय यूथ कांग्रेस के मुखिया श्रीनिवास बीवी ने ताजा रुझानों पर बीजेपी पर तंज कसा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, और इन चुनाव नतीजों के बाद दक्षिण भारत बीजेपी मुक्त हो गया है।

राहुल गांधी की सदस्यता जाना चुनाव में निर्णयात्मक मुद्दा रहा : बीके हरिप्रसाद

कांग्रेस की स्पष्ट जीत की वजह बताते हुए बीके हरिप्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता जाना चुनाव में निर्णयात्मक मुद्दा रहा। बजरंग बली और बजरंग दल के मुद्दे पर बीके हरिप्रसाद ने कहा कि कर्नाटक के लोगों को बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है। कर्नाटक के लोगों को बजरंग बली और बजरंग दल का फर्क पता है, बजरंग बली हमारे भगवान हैं, बजरंग दल को लोग एक राजनीतिक संगठन के रूप में देखते हैं, इसलिए बहुत बड़ा फर्क नहीं पड़ा, थोड़ा तटीय क्षेत्रों में इसका फर्क पड़ा है,हमने एहतियात के तौर पर हैदराबाद में रिजॉर्ट बुक किया है, क्योंकि बीजेपी ऑपरेशन लोटस चला सकती है। बीजेपी के एक नेता ने कहा भी है कि प्लान बी बना हुआ है।

बस नारी सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करती है भाजपा : मेघा परमार

» बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के ब्रांड एंबेसडर पद से हटाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। माउंट एवरेस्ट की चोटी का फतह करने वाली पर्वतारोही मेघा परमार को प्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के ब्रांड एंबेसडर पद से हटा दिया है। इस पर मेघा ने कहा कि मैं एक राजनीतिक पार्टी ज्वाइन करने पर राष्ट्रद्रोही हो गई।

पर्वतारोही मेघा परमार ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं किसान की बेटी हूं, मप्र की बेटी हूं। मैं सपने में भी नहीं सोच सकती थी कि कभी संसार की सबसे ऊंची एवरेस्ट की चोटी को फतह कर पाऊंगी। लेकिन कमलनाथ जी ने मेरी मदद की, मुझे आर्थिक सहायता भी दी और परिणाम आपके सामने हैं। मैं विश्व की सबसे ऊंची चोटी फतह कर पाई। मेघा ने कहा कि कमलनाथ ने फिल्मी अभिनेत्रियों की जगह मुझ जैसी एक किसान की बेटी को उक्त अभियान की ब्रांड एंबेसडर बनाया, लेकिन नारी सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार ने उसी किसान की बेटी को ब्रांड एंबेसडर पद से हटा दिया।

दो दिन पहले तक राष्ट्रभक्त थीं

मेघा परमार ने कहा कि मेरा शिवराज सरकार से सवाल है कि पर्वतारोही होने के नाते दो दिन पहले तक मैं राष्ट्रभक्त व प्रदेश का गौरव थी। कल अचानक प्रदेशद्रोही कैसे हो गई? क्यों बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ भाजपा की निगाह में अब बेटी हटाओ नारा बन गया? क्या एक पर्वतारोही के रूप में देश का सम्मान बढ़ाकर गुनाह किया या फिर देश को आजादी दिलाने वाली पार्टी में प्रवेश करने के बाद क्या, मैं राष्ट्रद्रोही हो गई हूं? उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने इस कृत्य से मेरा ही नहीं, समूची नारी शक्ति का अपमान किया है।

एससी पहुंची जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की मांग

» कोर्ट में दायर की अर्जी, चुनाव आयोग से भी की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। वरिष्ठ वकील हर्षदेव सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्रदेश में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि वह केंद्र सरकार और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को तत्काल कदम उठाने के निर्देश जारी करें। यह रिट याचिका एनपीपी की वरिष्ठ नेता मंजू सिंह, देस राज अध्यक्ष खंड विकास परिषद रामनगर और अश्री देवी सदस्य डीडीसी उधमपुर के नाम से दायर की गई है।

हर्षदेव सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर चार वर्षों से लोकतांत्रिक सरकार से वंचित है। चुनावों में देरी हो रही है। किसी न किसी कारण से स्थगित किया जा रहा है। कहा कि उन्होंने संविधान की भावना और शीर्ष अदालत के क्रमिक फैसलों के अनुरूप केंद्र शासित प्रदेश में लोगों की सरकार के पुनरुद्धार के लिए प्रार्थना की है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा सुनवाई की तारीख अभी तय की जानी है। हर्ष देव सिंह ने कहा कि अदालत ने कई मौकों पर यह माना है कि उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव छह महीने के भीतर होने चाहिए, जहां विधानसभाएं समय से पहले भंग हो जाती हैं।

अमृतसर में धमाके सरकार की नाकामी : एसजीपीसी अध्यक्ष

» धामी बोले-गंभीरता से जांच की होती तो यह ताजा घटना नहीं होती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर (पंजाब)। एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने बुधवार रात श्री हरमंदिर साहिब के बाहर गलियारा में हुए धमाके की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे पंजाब सरकार की नाकामी करार दिया है। घटना के बाद एडवोकेट धामी ने स्थिति का जायजा लिया और कहा कि अगर सरकार ने पिछले दिनों हेरिटेज स्ट्रीट पर हुए दो धमाकों की गंभीरता से जांच की होती तो यह ताजा घटना नहीं होती।

धामी ने कहा कि बुधवार की रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर जोरदार धमाका सुनकर एसजीपीसी के कर्मचारी तुरंत हरकत में आए और सीसीटीवी कैमरे से घटना के दोषियों की पहचान कर उन्हें पकड़कर पुलिस को सौंपा। एसजीपीसी की टास्क फोर्स के कर्मचारियों ने गंभीरता से अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी और हरमंदिर साहिब के कर्मचारियों ने सीसीटीवी कैमरों की सावधानीपूर्वक जांच की और आरोपी को श्री गुरु रामदास सराय के बरामदे से सुबह करीब चार बजकर 15 मिनट पर पकड़ा और पुलिस को सौंपा। उसके साथ दो अन्य संदिग्धों को भी पकड़कर पुलिस प्रशासन के हवाले कर दिया गया है।

जल्द ही गिर जाएगी शिंदे सरकार : राउत

» 11 महीने पुरानी एकनाथ शिंदे नीत राज्य सरकार असंवैधानिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नासिक। महाराष्ट्र के 2002 के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। राउत ने 11 महीने पुरानी एकनाथ शिंदे नीत राज्य सरकार को असंवैधानिक बताया और दावा किया कि यह तीन महीने में गिर जाएगी। राउत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने फैसले ने महत्वपूर्ण बात कही और राजनीतिक संकट के दौरान तत्कालीन राज्यपाल बी. एस. कोश्यारी और विधानसभा अध्यक्ष के आचरण में खामी पाई।

राउत ने कहा, कि यह सरकार पूरी तरह गैरकानूनी और असंवैधानिक है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन बातें कही हैं। सचेतक भारत गोगावाले (शिंदे धड़े की ओर से नियुक्त और अध्यक्ष द्वारा मान्यता प्राप्त) गैरकानूनी हैं। गैरकानूनी सचेतक की ओर से दिए गए आदेश गैरकानूनी हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि हमारे सचेतक सुनील प्रभु कानूनी (संवैधानिक) सचेतक हैं। राउत ने कहा, कि सदन में बहुमत साबित करने सहित तत्कालीन राज्यपाल की ओर से लिए गए सभी फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने गलत माना है। (शिवसेना से बगावत के बाद) एकनाथ शिंदे को समूह का नेता घोषित करने को भी न्यायालय ने गैरकानूनी बताया है। न्यायालय ने कहा है कि (शिवसेना का) कोई धड़ा खुद के पुरानी पार्टी होने का दावा नहीं कर सकता है। सांसद और उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी राउत महाराष्ट्र के नासिक में संबोधित कर रहे थे।

बजरंगबली की पड़ी बीजेपी पर गदा

मुंबई। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है। कांग्रेस लगातार आगे चल रही है। कांग्रेस को बहुमत मिल सकता है। इसी बीच कांग्रेस सत्ता बनाने की पहल में जुट गई है। कांग्रेस के दफ्तरों में जश्न का माहौल है। रुझानों के साथ ही बीजेपी को विपक्षी पार्टियां निशाना बनाने लगी हैं। संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है और कहा है कि बजरंगबली का गदा बीजेपी को ही पड़ गया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि जनता ने बीजेपी को लात मारी है। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया। इन दोनों नेताओं ने कर्नाटक में रोड शो और जनसभाएं कीं। हालांकि स्टार प्रचारकों और सारी व्यवस्थाओं को दांव पर लगाने के बावजूद बीजेपी को कर्नाटक में अपेक्षित सफलता मिलती नहीं दिख रही है। इसी पर संजय राउत ने पीएम और अमित शाह को निशाने पर लिया है।

एमपी में भ्रष्टाचार से भाजपा कार्यकर्ता ही बेजार

» जमीनी कार्यकर्ताओं को मनाने की जिम्मेदारी बड़े नेताओं को मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 40 परसेंट सरकार के नारे का मध्य प्रदेश में भी असर दिखने लगा है। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर के बीच, कर्नाटक की तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ बढ़ते गुस्से की वजह से पार्टी को ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही चुनाव नजदीक आने के साथ ऊपर से लेकर जमीनी स्तर के कैडर तक असंतोष भाजपा के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। पार्टी का प्रदेश नेतृत्व संभावित विद्रोहों को शांत करने का प्रयास कर रहा है। इसमें आ रही मुश्किलों को देखते हुए अब संगठन के नेताओं को इस काम में लगाया गया है। भाजपा के सूत्रों के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महासचिव शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महासचिव अजय जंबार और राज्य प्रभारी मुरलीधर राव को असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं को शांत करने का जिम्मा सौंपा गया है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि संगठन के नेता निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं ताकि उन्हें पार्टी के साथ रखा जा सके और स्थानीय नेताओं की समीक्षा की जा सके। समीक्षाओं के आधार पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को उन लोगों तक पहुंचने का काम सौंपा जा रहा है जो विपक्ष को अपना समर्थन दे सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि असंतोष केवल कुछ प्रमुख क्षेत्रीय नेताओं के कारण ही नहीं, बल्कि शिवराज सिंह चौहान सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ बढ़ती लहर के कारण भी बढ़ रहा है। रीवा में एक भाजपा कार्यकर्ता ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने स्थानीय कार्यकर्ताओं पर कोई ध्यान नहीं दिया है। अब जब चुनाव नजदीक आ रहा है तो हमारे नेता जाग गए हैं और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं।

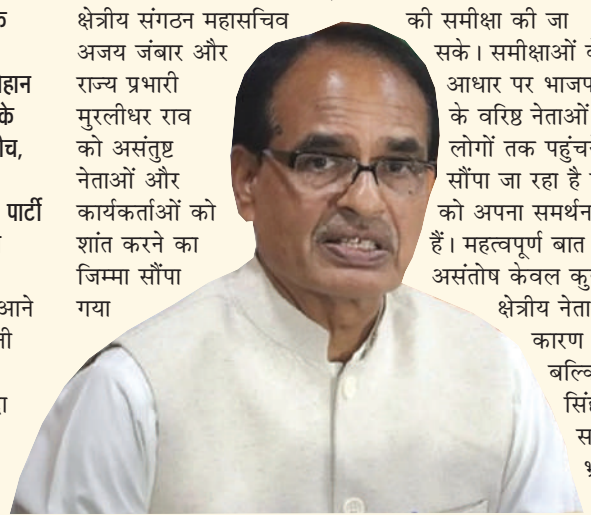

पार्टी के बड़े नेताओं के रवैये से नाराज हैं पार्टी कार्यकर्ता

बागियों की संख्या तेजी से बढ़ी

भाजपा के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों से पूर्व विधायकों और मंत्रियों को दरकिनार करने से बागियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पार्टी के लिए इससे ज्यादा परेशानी निचले स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं में बढ़ता असंतोष है। इससे घबराई बीजेपी सरकार और प्रदेश संगठन बूथ स्तर पर तीसरे दौर का अभियान शुरू किया। स्थिति का जायजा लेने के लिए संगठन के नेताओं का एक समूह बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठक कर रहा है।

महफिल तो उद्धव ही लूट ले गए...

महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में मिल सकता ठाकरे को लाभ

- सुप्रीम फैसले का पड़ेगा दूरगामी असर
- 2024 में नैतिकता बन सकता है मुद्दा
- सिर्फ पार्टी को चीफ व्हिप बनाने का अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे की सरकार बच गई। पर जिस तरह से राज्यपाल, विधान सभा स्पीकर की भूमिका पर शीर्ष अदालत ने सवाल उठाया है उससे विधायिका के काम करने के तरीके पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। सबसे अहम बात उद्धव ठाकरे के बारे में कोर्ट ने कहा कि अगर उद्धव इस्तीफा न देते तो उनको फिर से सीएम बनाया जा सकता था। ये फैसला भविष्य के लिए भी नजीर बन सकता है। इस फैसले के हिसाब से देखा जाए तो आने वाले समय में राज्यपाल व स्पीकर ऐसे फैसले लेने से बच सकते हैं जिनकी वजह से विवाद होते हैं।

हालांकि राजनीतिज्ञों ने बहुत उम्मीद करना उचित नही है वो फैसले वही लेते हैं जो उनकी पार्टी लाइन से निर्देशित होते हैं। खैर अब चर्चा सुप्रीम कोर्ट के महाराष्ट्र मामले में फैसले के बाद होने वाले प्रभाव पर। फैसले को अपने-अपने तरीके से सियासी पार्टियां देख रही हैं परंतु कुल मिलाकर उद्धव से लोगों को सहानुभूति जरूर होने लगी है। आने वाले समय में इसका सियासी लाभ मिल सकता है। अगले साल महाराष्ट्र में चुनाव भी है। इस फैसले बाद जब पत्रकारों ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाबत उनसे पूछा कि उन्होंने अगर इस्तीफा ने दिया होता तो वह सीएम के रूप बहाल हो सकते थे, आखिर उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया तो उन्होंने जवाब दिया नैतिकता की वजह से । हालांकि उनके इस बयान के बाद सीएम एकनाथ शिंदे व देवेंद्र फडणवीस ने तंज भी कसा।

क्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सत्ता में बने रहने का अधिकार है? क्या शिंदे ने जिस तरह से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की कुर्सी को हासिल किया, वह अवैध था? क्या दलीय नैतिकता नाम की भी कोई चीज होती है? सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ऐसे कई सवाल उठेंगे। सवाल यह भी है कि क्या पांच जजों की संवैधानिक पीठ के फैसले के बाद शिंदे को सीएम बने रहने का नैतिक अधिकार है? जाहिर है जब देश की सबसे बड़ी अदालत कोई टिप्पणी करती है तो उसके मायने भी बड़े होते हैं। लिहाजा महाराष्ट्र के पिछले साल के सियासी संकट पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो लकीर खींची।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने कहा कि चीफ व्हिप की नियुक्ति का अधिकार राजनीतिक पार्टी को है। यह अधिकार विधायक दल का नहीं हो सकता है। यानी भले ही एकनाथ शिंदे के साथ ज्यादा विधायक थे लेकिन इस सियासी संकट की स्थिति में उन्हें और शिवसेना के बागी विधायकों यह अधिकार नहीं था कि भरत गोगावले को चीफ व्हिप बनाया जाए। इस बात का जिक्र अभिषेक मनु सिंघवी ने भी फैसले के बाद किया। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने व्हिप गोगावले की नियुक्ति को गलत माना है और कहा है कि व्हिप सिर्फ राजनीतिक पार्टी की हो सकती है न कि विधायिका पार्टी की। अब स्पीकर को जल्द से जल्द अयोग्यता याचिका पर फैसला करना होगा।

विधायिका पार्टी पर राजनीतिक पार्टी की जीत

सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच का फैसला एक तरीके से लेजिस्लेटिव पार्टी पर पॉलिटिकल पार्टी की जीत है। राजनीतिक पार्टी का फैसला ऐसे मामलों में क्यों अंतिम होना चाहिए, यह साफ करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर यह मान लिया जाए कि विधायक दल ही मुख्य सचेतक या चीफ व्हिप नियुक्त करेगा तो यह सदन के किसी सदस्य को जो गर्भनाल की तरह किसी राजनीतिक दल से जुड़ता है, उससे अलग करने की तरह होगा। यानी सुप्रीम कोर्ट ने विधायक दल की सर्वोच्चता की बजाए सदन के किसी सदस्य के लिए राजनीतिक दल की भावना को ऊपर रखा है। ऐसे में एकनाथ शिंदे के लिए यह टिप्पणी नसीहत की तरह है। फैसला लिखते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने एक और बड़ी बात कही। सीजेआई चंद्रचूड़ ने फैसले में कहा, इसका तो अर्थ यह होता है कि विधायक सिर्फ चुनाव के दौरान सेट होने के लिए अपने दल पर भरोसा करें। उनका प्रचार अभियान राजनीतिक दल की मजबूती-कमजोरी, वादों और नीतियों पर आधारित हो। वे चुनाव में पार्टी से अपने जुड़ाव के आधार पर अपील करें। लेकिन बाद में खुद को पार्टी से पूरी तरह अलग कर लें और एक विधायकों के समूह की तरह बर्ताव और काम करने लगें। हमारे संविधान में ऐसी शासन व्यवस्था की कल्पना नहीं की गई थी। यानी सीजेआई ने कहीं न कहीं दल-बदल करने वाले सभी विधायकों के लिए एक लकीर खींची है कि एक झटके में आप पार्टी से पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं।

नई इबारत लिखी

सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम सवालों ने महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश के लिए एक नई इबारत लिखी है। क्या यह बेहतर नहीं होता कि एकनाथ शिंदे कोर्ट के फैसले के सामने माथा नवाते और कोई साहसी निर्णय लेते? अगर एकनाथ शिंदे के साथ असली शिवसेना है, जिसका कि वह दावा कर रहे हैं तो क्यों नहीं इस्तीफा देकर एक और चुनाव के लिए ताल ठोक देते हैं? क्यों एकनाथ शिंदे को कहना पड़ता है कि उद्धव ठाकरे को नैतिकता की बातें शोभा नहीं देती हैं? मॉरल ग्राउंड की बात शिंदे कैसे कर सकते हैं, जब सुप्रीम कोर्ट ने सीधे-सीधे शिंदे की शिवसेना विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्ति ही खारिज कर दी। मूल सवाल फिर खड़ा होता है- क्या सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हुई फजीहत के बाद एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहने का नैतिक अधिकार है?

आर्टिकल-212 की दुहाई देने पर कोर्ट की फटकार

एकनाथ शिंदे खेमे के लिए सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में एक और झटका दिया। बेंच ने कहा, शिवसेना के चीफ व्हिप के रूप में भरत गोगावले की नियुक्ति को अवैध इसलि है क्योंकि शिवसेना विधायक दल के एक धड़े ने यह प्रस्ताव पास किया। जबकि इस फैसले से पहले यह सुनिश्चित करने की कोशिश नहीं की गई कि यह राजनीतिक पार्टी का फैसला है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने संविधान के आर्टिकल-212 की शिंदे खेमे की दलील को ठुकरा दिया। संविधान का अनुच्छेद 212 संवैधानिक अदालतों को स्पीकर के फैसलों में कथित अनियमित प्रक्रिया की जांच करने से रोकता है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इस तरह की दलील या व्याख्या संवैधानिक लोकतंत्र में विधायी प्रक्रियाओं की अहमियत का पूरी तरह से अनादर है।

विधानसभा अध्यक्ष को 16 विधायकों की अयोग्यता पर जल्द फैसला करना चाहिए : ठाकरे

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से 16 विधायकों की अयोग्यता पर जल्द से जल्द फैसला लेने की मांग की। एक साल पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे की बगावत की वजह से उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी। शिंदे ने बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर सरकार बनाई और उन्होंने मुख्यमंत्री पद तथा भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता अनिल परब ने कहा कि वे अध्यक्ष नार्वेकर को पत्र लिखकर उनसे इस मामले पर जल्द से जल्द फैसला लेने का अनुरोध करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि 16 विधायकों को मिला जीवनदान अस्थायी है क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने 'समय दिया है और इसकी सीमाएं हैं। अध्यक्ष को जल्द से जल्द इस पर फैसला लेना चाहिए। परब ने कहा, ''हम कहते रहे हैं कि यह सरकार गैरकानूनी है। महत्वपूर्ण भूमिका व्हिप की होती है, उस समय व्हिप सुनील प्रभु (ठाकरे खेमे के विधायक) थे और इसका उल्लंघन किया गया था। अध्यक्ष को इस पर निर्णय करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहिए। बागी विधायकों के लिए अब कोई रास्ता नहीं बचा है और उनके पास बहुत कम वक्त है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर चिंतन जरूरी

महामारी और यूक्रेन युद्ध से प्रभावित अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर तोक्यो में चिंतन कर रहे जी-7 के विकसित देशों का सारा ध्यान अमेरिका की अपने राष्ट्रीय ऋण की किस्तें ना भर पाने से बनती परिस्थिति पर होगा। तोक्यो में जी-7 के वित्त मंत्रियों और राष्ट्रीय बैंकों के अध्यक्षों की इस बैठक में ही नहीं, अगले सप्ताह हिरोशिमा में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भी यह मुद्दा खास बना रह सकता है। यह भारत के लिए भी चिंता का विषय है। आज भारत की छोटी-बड़ी कंपनियों का भी अमेरिका में 40 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक हिस्सेदार और निर्यात का सबसे बड़ा गंतव्य है। बात यह है कि यदि अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के बहुमत वाली संसद इस महीने के अंत तक अमेरिका की ऋण उठाने की मौजूदा 31.4 खरब की सीमा को बढ़ाने पर सहमत नहीं होती तो इतिहास में पहली बार अमेरिका अपने ऋण की किस्तें चुका पाने में विफल घोषित हो जाएगा।

अमेरिकी संसदों से बातचीत के बाद पिछले मंगलवार राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ कहा कि यदि यह टकराव जल्द नहीं सुलझा तो वह हिरोशिमा जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाएंगे। अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी और इंटरकनेक्टेड अर्थव्यवस्था है। इसलिए इस आर्थिक संकट का प्रभाव न केवल अमेरिका के जनजीवन पर बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। कर्ज की सीमा न बढ़ाए जाने पर ऋण की किस्तों के साथ अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों के वेतन और दूसरी कल्याणकारी योजनाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। कर्ज की सीमा पर बने टकराव से अमेरिका में निवेश करने वाले देशों और कंपनियों की घबराहट बढ़ी है। इनमें ज्यादा निवेश जी-7 देशों से ही आया है। उनके अलावा, अमेरिका के राष्ट्रीय ऋण में दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा चीन का है। चीन आज विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। कुछ वर्षों में उसके अमेरिका से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में आज जब जी-7 देश विश्व की चीन पर अति निर्भर उत्पादन और आपूर्ति चेन के बीच संतुलन लाना चाहते हैं और यक्रेन युद्ध में चीन और रूस की बढ़ती हिस्सेदारी को लेकर उन पर आर्थिक प्रतिबंधों को और कड़ा करना चाहते हैं तो अमेरिका का कर्ज चुकाने में विफलता का परिदृश्य उनकी कमजोरी बन जाता है। इसका असर वैश्विक व्यापार पर हो सकता है और यह कई स्तरों पर दिख सकता है।

आज भारत की छोटी-बड़ी कंपनियों का भी अमेरिका में 40 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक हिस्सेदार और निर्यात का सबसे बड़ा गंतव्य है। बात यह है कि यदि अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के बहुमत वाली संसद इस महीने के अंत तक अमेरिका की ऋण उठाने की मौजूदा 31.4 खरब की सीमा को बढ़ाने पर सहमत नहीं होती तो इतिहास में पहली बार अमेरिका अपने ऋण की किस्तें चुका पाने में विफल घोषित हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रिश्तों के रिसने पर यह कैसा जश्न!

सोनम लवंशी

सोशल मीडिया के इस दौर में कब क्या सुर्खियों में आ जाए, नया ट्रेंड बन जाए कोई नहीं जानता। कुछ समय पहले तक प्री वेडिंग शूट, वेडिंग शूट यहां तक कि प्रेगनेंसी फोटो शूट खूब देखे! लेकिन, क्या डाइवोर्स यानी तलाक का फोटोशूट सुना या देखा है! शायद किसी ने अब तक तो नहीं देखा होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर कुछ फोटो बहुत तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन फोटो के वायरल होने की वजह भी हैरान करने वाली है। एक महिला ने अपने पति से तलाक मिलने की खुशी में डाइवोर्स फोटोशूट कराया। इस महिला के तलाक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीर में महिला तलाक मिलने की खुशियां मना रही है। एक हाथ में शराब की बोतल है, दूसरे हाथ में एक पोस्टर है जिसमें अंग्रेजी में लिखा है 'मेरे पास 99 परेशानियां हैं, पर पति नहीं है।'

लाल सुर्ख ड्रेस में सजी-धजी ये खूबसूरत महिला है तमिल टीवी की अभिनेत्री शालिनी। उनके डाइवोर्स फोटोशूट का सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है। दरअसल, ये मेंटल और इमोशनल हेल्थ के लिए किसी दर्द देने वाले रिश्ते से मुक्त होकर अपनी आजादी का जश्न मनाना है। इन तस्वीरों के सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही शादियों में गहरी आस्था रखने वाला समाज आहत हुआ। इसके बाद से ही तमिल टीवी अभिनेत्री शालिनी को ट्रोल किया जाने लगा है। शालिनी ने लिखा 'एक तलाकशुदा महिला का संदेश उन लोगों के लिए जो खुद को वॉइसलेस फील करते हैं। आपको खुश रहने का अधिकार है, इसलिए एक खराब शादी को छोड़ना बुरा नहीं है। आपकी जिंदगी पर आपका अधिकार है, तो कम पर समझौता क्यों किया जाए।' भारतीय परम्परा में शादी को सात जन्मों का बंधन माना गया है। लेकिन, आज के दौर में ये बंधन एक जन्म तो दूर कुछ सालों में ही टूटने लगे हैं। दिखावे के दौर में रिश्तों की गांठ कमजोर होती जा रही है। छोटी-छोटी बातों में लोग रिश्ते तोड़ने लगे।

वैसे तो रिश्ता कोई भी हो, टूटने पर दर्द ही देता है। लेकिन, जब बात शादी की हो तो यह दर्द कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए कि शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों को भी आपस में जोड़ती है। दो परिवार एक-दूसरे के सुख-दुःख के भागी बनते हैं। ऐसे में जब तलाक होता है, तो वह दो लोगों के बीच नहीं होता, बल्कि दो परिवारों के बीच होता है। फिर चाहे रिश्ते टूटने की वजह जो भी रहे। सवाल है कि कितना प्रेम रहा होगा उस जोड़े के बीच जब वो शादी के

बंधन में बंधे होंगे। लेकिन, आज जब वो अलग हुए, तो नफरत साफ देखी जा सकती है। सवाल अलग होने का नहीं, बल्कि अलग होने के बाद मनाए जा रहे जश्न का है। कितनी यादें जुड़ी होंगी, उस एक तस्वीर से जिसे महिला ने फाड़ा होगा। बेशक रिश्ता टूटने की वजह दर्दभरी रही होगी। कितनी अभागी महिला होगी जो अपने पति के साथ बिताए सुंदर पलों को सहेज तक नहीं पाई। सवाल तो यह भी है कि क्या पति वो प्यार वो इज्जत दे पाया जिसकी वह हकदार रही होगी। उनका प्रेम कितना कमजोर रहा होगा जो एक खूबसूरत रिश्ते का इस तरह अंत करना पड़ा। अमेरिका में भी कुछ समय पहले एक महिला ने तलाक मिलने की खुशियां मनाई और फोटोशूट कराया था। महिला ने अपनी शादी के कपड़ों को जलाकर कहा था 'यह अब तक के उसके सबसे अच्छे फैसलों में से एक है।' अक्टूबर, 2012 में लॉरेन ब्रुक ने भी अपने साथी से शादी की थी, लेकिन अब वो उससे अलग हो गई। तलाक के बाद महिला ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए बाकायदा फोटोशूट कराया था। शादी के बाद रिश्ते टूटना कोई बड़ी बात नहीं है। आए दिनों हम तलाक की खबरें देखते सुनते हैं। लेकिन, क्या कोई रिश्ता टूटना इतनी बड़ी खुशी की बात होती है जो उसका जश्न मनाया जाए और बाकायदा फोटोशूट कराके उसे सोशल मीडिया में शेयर किया जाए! इस बात में कोई शक नहीं है कि पुरुषों के मुकाबले महिला के लिए रिश्ता टूटना जटिल और दर्द देने वाली प्रक्रिया है। तलाकशुदा महिला को समाज सम्मान की नजर से नहीं देखता है। लेकिन, इसका ये मतलब तो नहीं कि तलाकशुदा आदमी की समाज में इज्जत बढ़ जाती है।

परिवार टूटने का दर्द मर्दों को भी उतना ही होता है जितना एक औरत को। लेकिन, जिस तरह के फोटोशूट वायरल हो रहे हैं उन्हें भी सही नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय समाज तो राधा और कृष्ण के प्रेम की कहानियां सुनते हुए ही बड़ा हुआ है। राधा और कृष्ण कभी एक न हो सके, लेकिन आज भी उनका प्रेम अमर है। कृष्णजी राधा को छोड़कर द्वारिका चले गए। लेकिन, उनके प्रेम में कभी वो कड़वाहट नहीं घुली।

कबीर बनने के जुनून से शोहरत तक

अरुण नैथानी

पिछले दिनों चंडीगढ़ के सेक्टर-17 का अंडरपास गुलजार था हैंडलूम में राष्ट्रीय व हरियाणा राज्य पुरस्कार से सम्मानित खेमराज की कलाकृतियों की प्रदर्शनी से। प्रदर्शनी का आयोजन कला-संस्कृति विभाग हरियाणा व चंडीगढ़ ललित कला अकादमी ने किया था। तेरहवीं शताब्दी में फ्रांस में लोकप्रिय होने के बाद पूरी दुनिया में फैली टेपेस्ट्री कला को भारत में प्रतिष्ठा दिलाने में खेमराज का बड़ा योगदान रहा है। पिछले दिनों यूरोप यात्रा के दौरान उनकी कला को खासी तवज्जो मिली। एक समय ऐसा था कि मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन सूरजकुंड मेले में जैसे ही कागज पर चित्र बनाते, टेपेस्ट्री कला में माहिर खेमराज उसे हथकरघा के जरिये कुछ ही घंटे में कपड़े पर उकेर देते। प्रयोगधर्मी एमएफ हुसैन की दिली इच्छा थी कि उनकी कृति कपड़े पर उकेरी जाये। उनकी यही आकांक्षा उन्हें दिल्ली स्थित बुनकर सेवा केंद्र ले आयी। खेमराज मेले में पंद्रह दिन एमएफ हुसैन के साथ? भी रहे। मशहूर चित्रकार सोभा सिंह की पेंटिंग को टेपेस्ट्री पर बनाने में महारत के लिये जाना जाता है।

टैक्सटाइल हब पानीपत की शोहरत में उन तमाम नायाब बुनकरों का खून-पसीना लगा है। ये बुनकर हथकरघे पर इतनी जीवंत कलाकृतियां उकेर देते हैं जिन्हें देख कहना कठिन है कि वे पहले कलाकार हैं या फिर बुनकर। इन्हीं सिद्धहस्त कलाकारों में देश-विदेश में शोहरत हासिल करने वाले खेमराज भी हैं। उत्तराखंड के गांव सुमाड़ी में जन्मे खेमराज ने जीवन यात्रा में दिल्ली व बनारस होते हुए पानीपत को अपनी कर्मस्थली बनाया। फिर वे पानीपत के ही होकर रह गये। कालांतर धागों को बुनते-संवारते हुए सिद्धहस्त कलाकार बन गये। हेल्पर से कारीगर बन वे कालीनों पर नायाब कृतियां उकेरने लगे। कारपेट पर बनी उनकी कृतियां भारत से लेकर विदेशों तक पहचान बनाने लगीं। दरअसल, दुनिया के ठंडे देशों में इन गर्म कालीनों का उपयोग दीवारों का तापमान नियंत्रित करने के लिये किया जाता है। यदि उसमें मोहक कृति बनी हो तो दीवार का सौंदर्य निखर आता है। खेमराज के बनाये डिजाइनों की विदेशों में खूब मांग बढ़ी तथा पानीपत के एक एक्सपोर्टर के पास फ्रांस व जर्मनी से बड़े ऑर्डर आये।

2 फरवरी, 1943 को जन्मे खेमराज ने जब दसवीं पास की तो पिता जीव राम सुंदरियाल चाहते थे कि आगे पढ़ने के बजाय वह कोई नौकरी कर ले ताकि परिवार को संबल मिले। एक दिन आवेश में पिता ने कह दिया कि अब कुछ नौकरी-वौकरी करनी है या यूं ही खाली रहना है। तब उन्होंने अपने मन की बात कही कि कोई ऐसा काम करूंगा जो आम लोग न करते हों। पिता ने यूं ही गुस्से में कह दिया कि तो क्या मोची बनोगे? अचानक खेमराज के मुंह से निकला, 'मैं कबीर के जैसे काम करूंगा।' यह बात कहीं उनके अवचेतन में थी और कालांतर जिद बन गई। फिर उन्होंने 1964 में श्रीनगर, गढ़वाल से वीविंग का डिप्लोमा किया। इसके बाद गांव-प्रदेश छोड़ा और दिल्ली क्लॉथ मिल में नौकरी कर ली।

नौकरी में मन नहीं लगा तो दिल्ली स्थित बुनकर सेवा केंद्र में सक्रिय हुए। यहां उन्होंने ख्याति प्राप्त डिजाइनरों के अधीन अपनी बुनाई में निखार हासिल किया। इस बीच कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों के जरिये उन्होंने बुनकरों को हथकरघा बुनाई का प्रशिक्षण प्रदान किया। कुछ समय यहां काम करने के बाद उनका स्थानांतरण बनारस केंद्र में हो गया। दरअसल, बनारस का तबादला उनके जीवन की दिशा बदलने वाला साबित हुआ। यहां उनका प्रेम टेपेस्ट्री कला से हुआ। दरअसल, टेपेस्ट्री को एक खास बुनाई वाले भित्ति चित्र के रूप में जाना जाता है। इसमें अलग-अलग रंगों में धागे से गुंथाई करके अतिरिक्त बाना के जरिये नमूना तैयार किया जाता है। इसमें असीमित परिवर्तन की संभावना रहती है। यह दीवार पर टंगने वाले कपड़े पर उकेरी जाने वाली कला है। जिसमें कालीन, वॉल हैंगिंग व कालीन पर धागे से चित्र उकेरे जाते हैं। इस कला के जुनून में वे इतने रम गये कि दिनभर नौकरी करते और रात को टेपेस्ट्री कला सीखते। धीरे-धीरे उन्होंने इस कला में महारत हासिल कर ली। उनकी बनायी कृतियों को लोगों ने हाथों-हाथ लिया। वर्ष 1975 में खेमराज सुंदरियाल पानीपत स्थित बुनकर सेवा केंद्र स्थानांतरित होकर आये। यहां की टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़ना उनके कैरियर के हिसाब से बेहद लाभदायक रहा व एक्सपोर्टरों को नये-नये डिजाइन उपलब्ध कराये। विदेशों को कालीन व टेपेस्ट्री कला कृतियां बेचने वाले निर्यातकों को उनके डिजाइन खूब पसंद आये। सूरजकुंड मेले में तो खेमराज की कृतियों की खूब धूम मचती रही है।

एक बार जब उन्होंने मदर टेरेसा की पेंटिंग को कपड़े पर उकेरा तो कृति हाथों-हाथ बिक गयी। उन्होंने देवी-देवताओं की सैकड़ों तस्वीरें कपड़े पर उकेरी हैं। तंत्रा थीम पर केंद्रित कृति में उन्होंने दुर्गा मां की तस्वीर को बनाया। सरस्वती, लक्ष्मी, काली व दुर्गा के चित्र उनके खास प्रिय रहे हैं। पार्श्व में शेर और मुख्य रूप से दुर्गा की उकेरी तस्वीर खासी लोकप्रिय हुई। कबीर बनने का वायदा करने वाले खेमराज अपने संकल्प से वाकई कबीर बन गये। अवचेतन में विशिष्ट काम करने की? आकांक्षा हकीकत बन गई। उन्होंने जामदानी तथा टेपेस्ट्री बुनाई में उत्कृष्टता हासिल की। पहली बार सृजना की इस विधा में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिष्ठित कबीर सम्मान देने की शुरुआत हुई तो पहला सम्मान उन्हें मिला।

औषधीय गुणों से भरपूर है सफेद कद्दू का रस

लौकी, कद्दू, टिंडा जैसी सब्जियों को बहुत से लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। इसी लिस्ट में सफेद पेठा या सफेद कद्दू की सब्जी भी है। यह वही सब्जी है जिससे पेठा नाम की मिठाई बनती है। सफेद पेठा को इसके औषधीय गुणों की वजह से बेशकीमती माना जाता है। इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं और यह पाचन में भी सुधार करता है। इसक शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है। नियमित रूप से इस सब्जी का जूस पीने से आंतों में भरी गंदगी साफ होती है और यह किडनी की पथरी को टुकड़ों में तोड़कर बाहर निकालने की ताकत रखता है। रोजाना सुबह खाली पेट सफेद कद्दू का जूस पीने से आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में सहायक

सफेद कद्दू का रस डायबिटीज के मरीजों के लिए बढ़िया विकल्प है। यह ब्लड शुगर को कंट्रोल को मेंटेन और कंट्रोल करने में सहायक है। शुगर के मरीजों को रोजाना इसका सेवन करना चाहिए।

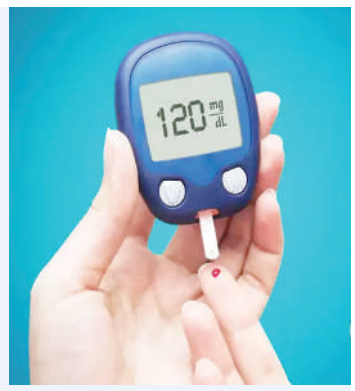

हाइड्रेशन से बचाने में मददगार

गर्मियों में आपको सफेद कद्दू का रस पीना चाहिए। यह चिलचिलाती गर्मी में प्यास बुझाने का सबसे बढ़िया तरीका है। यह हाइड्रेशन से बचाकर पानी की कमी पूरी करता है।

नियमित रूप से कद्दू का रस पीने से आंतों में भरी गंदगी साफ होती है

पेशाब की जलन और पथरी का बढ़िया इलाज

सफेद कद्दू का जूस पीने से आपको पेशाब से जुड़े रोगों में फायदा मिल सकता है। यह मूत्र त्याग को आसान बनाता है और पेशाब में होने वाली जलन से राहत दिलाता है। यह किडनी की पथरी को टुकड़ों में तोड़ने में भी मदद कर सकता है।

वात और पित्त को रखता है संतुलित

सफेद कद्दू में शीतलक शक्ति और स्निग्धा गुण होते हैं और यही वजह है कि यह वात और पित्त दोष को संतुलित करता है। इसका विशिष्ट प्रभाव मेध्य है अर्थात यह बुद्धि में भी सुधार करता है। यह कामोत्तेजक के रूप में काम करता है, इसके अलावा यह वीर्य की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत करने में सहायक

इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है। इसके नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

संता ने पूछा बंता से: बंता भईया जिसको सुनाई नहीं देता, उसको क्या कहते हैं? संता बोला: कुछ भी कह लो भईया जब उसे सुनाई ही नहीं देता।

ब्वॉयफ्रेंड: तुम्हारी आंखें कितनी हसीन हैं। गर्लफ्रेंड: छोड़ो ना। ब्वॉयफ्रेंड: तुम्हारे बाल कितने खूबसूरत है। गर्लफ्रेंड: छोड़ो ना। ब्वॉयफ्रेंड: तुम्हारे गाल कितने गुलाबी है। गर्लफ्रेंड: छोड़ो ना। ब्वॉयफ्रेंड: अरे इतनी देर से लम्बी-लम्बी तो छोड़ रहा हूं और कितनी छोडूं मेरी मां।

पत्नी: अजी सुनते हो, आपका दोस्त एक पागल लड़की से शादी करने जा रहा है। उसे रोकते क्यों नहीं? पति: क्यों रोकूं? उस दोस्त ने मुझे रोका था क्या? पत्नी: अजी सुनते हो दो किलो मटर ले लूं? पति: हां, ले लो जो ठीक लग रहा है कर लो। पत्नी: राय नहीं मांग रही आपकी, पूछ रही हूं कि छील लोगे इतने कि कम लूं।

एक प्रश्न: पत्नी क्या है? उत्तर: पत्नी उस शक्ति का नाम है जिसके घूरने भर से देखने पर टिंडे की सब्जी में पनीर का स्वाद आने लगता है।

पड़ोसी: माताजी, आप बार-बार घर के अंदर-बाहर क्यों आ-जा रही हैं? कोई प्रॉब्लम है क्या? बूढ़ी औरत: नहीं बेटा, मेरी बहू टीवी देखकर योगा कर रही है। उसमें बाबाजी कह रहें हैं कि सास को बाहर करो, सास को अंदर करो।

कहानी — खटमल और बेचारी जूं

एक राजा के शयनकक्ष में मंदरीसर्पिणी नाम की जूं ने डेरा डाल रखा था। रोज रात को जब राजा जाता तो वह चुपके से बाहर निकलती और राजा का खून चूसकर फिर अपने स्थान पर जा छिपती। संयोग से एक दिन अग्निमुख नाम का एक खटमल भी राजा के शयनकक्ष में आ पहुंचा। जूं ने जब उसे देखा तो वहां से चले जाने को कहा। उसने अपने अधिकार-क्षेत्र में किसी अन्य का दखल सहन नहीं था। लेकिन खटमल भी कम चतुर न था, बोलो, ''देखो, मेहमान से इसी तरह बर्ताव नहीं किया जाता, मैं आज रात तुम्हारा मेहमान हूं।'' जूं अतत: खटमल की चिकनी-चुपड़ी बातों में आ गई और उसे शरण देते हुए बोली, ''ठीक है, तुम यहां रातभर रुक सकते हो, लेकिन राजा को काटोगे तो नहीं उसका खून चूसने के लिए।'' खटमल बोला, ''लेकिन मैं तुम्हारा मेहमान है, मुझे कुछ तो दोगी खाने के लिए। और राजा के खून से बढ़िया भोजन और क्या हो सकता है।'' ''ठीक है।'' जूं बोली, ''तुम चुपचाप राजा का खून चूस लेना, उसे पीड़ा का आभास नहीं होना चाहिए।'''' जैसा तुम कहोगी, बिलकुल वैसा ही होगा।'' कहकर खटमल शयनकक्ष में राजा के आने की प्रतीक्षा करने लगा। रात ढलने पर राजा वहां आया और बिस्तर पर पड़कर सो गया। उसे देख खटमल सबकुछ भूलकर राजा को काटने लगा, खून चूसने के लिए। ऐसा स्वादिष्ट खून उसने पहली बार चखा था, इसलिए वह राजा को जोर-जोर से काटकर उसका खून चूसने लगा। इससे राजा के शरीर में तेज खुजली होने लगी और उसकी नींद उचट गई। उसने क्रोध में भरकर अपने सेवकों से खटमल को ढूंढकर मारने को कहा। यह सुनकर चतुर खटमल तो पंलग के पाए के नीचे छिप गया लेकिन चादर के कोने पर बैठी जूं राजा के सेवकों की नजर में आ गई। उन्होंने उसे पकड़ा और मार डाला।

सीख: हमें अजनबियों की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर उनपर भरोसा नहीं करना चाहिए अपितु उनसे सावधान ही रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

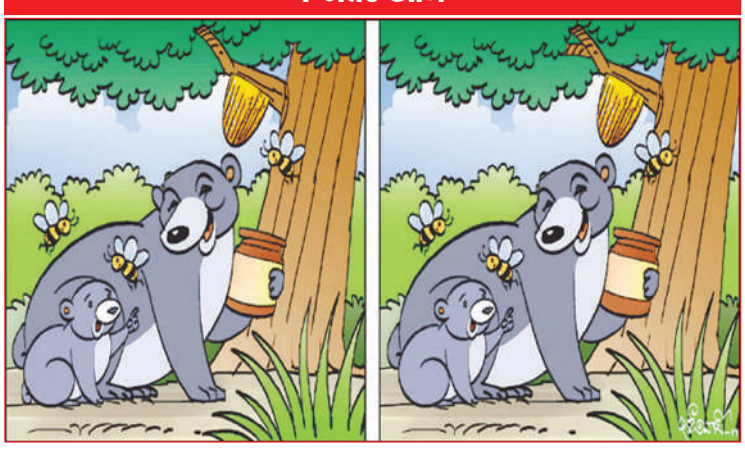

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने दोस्तों के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। आप कोई सरकारी कामकाज करते हैं तो आपको लाभ हासिल होगा।

वृषभ

आज खुलकर अपनी लव लाइफ को जिएंगे और मन में प्रेम को लेकर उत्साह रहेगा। आज आपका साथी उन पलों का भरपूर आनंद उठाएगा। आज कामकाज के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहने वाला है।

मिथुन

आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करना भारी पड़ सकता है। दरअसल, आज आपको मौसम से संबंधित बीमारी जैसे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है।

कर्क

कुंभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहेगा। मौसम के बदलाव से आप बीमार पड़ सकते हैं। सावधान रहें कार्य में रुकावट आने की संभावना अधिक रहेगी।

सिंह

आज का दिन धन संबंधी मामलों में लाभ कराने वाला साबित होगा। आज आपको काम में भी सफलता हासिल होगी। प्यार मोहब्बत के मामले में आज का दिन बहुत ही अच्छा साबित होगा।

कन्या

आज का दिन आमदनी के मामले में काफी अच्छा रहने वाला है। आज आपको अच्छा खासा धन प्राप्त होगा। यदि आपने कहीं पैसा लगाया है तो उससे आपको अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

तुला

आज का दिन रौनक लेकर आएगा। आप घर में कोई फंक्शन आदि के आयोजन पर चर्चा कर सकते हैं। इतना ही नहीं आज घर की शोभा बढ़ाने के लिए कुछ नया खरीद सकते हैं।

वृश्चिक

मकर राशि के जो लोग काफी भावुक हैं वह आज काफी मजबूत स्थिति में नजर आएंगे। आज घर परिवार में चल रही परिस्थितियों पर आपका पूरा कंट्रोल रहने वाला है। साथ ही आज घर में खुशहाली आएगी।

धनु

आज आप शॉपिंग में काफी पैसा और समय खर्च करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ेगा। आज आप अपने निजी जीवन को लेकर कुछ निराश हो सकते हैं।

मकर

आज अपने मन में किसी तरह को कोई संदेह नहीं रखना चाहिए क्योंकि, किसी भी प्रकार का संदेह आज आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल दें।

कुम्भ

आज आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। आप जिस भी काम के बारे में सोचेंगे वह सभी पूरे होंगे। अगर आपने जमीन-जायदाद से जुड़े किसी काम में हाथ डाला है तो उसमें भी सफलता आपके कदम चूमेगी।

मीन

आज अपने अंदर आत्मविश्वास जगाने से आपको अपने रिश्ते में प्यार मिलेगा और कार्यों में सफलता हासिल होगी। इनकम को लेकर दिन सामान्य रहेगा, लेकिन खर्चे तेजी से बढ़ते हुए नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे करनी पड़ी थी मछली और झींगे बेचने की नौकरी : ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना के बारे में ज्यादातर लोग सिर्फ इतना ही जानते हैं कि वह एक बड़े फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और खुद भी शानदार अदाकारा हैं। स्टारकिड्स को लेकर अक्सर लोगों की यही राय रखती है कि उन्हें कोई स्ट्रगल नहीं करना पड़ता। हालांकि, इस बार ट्विंकल ने अपनी जिंदगी में एक ऐसा राज खोला है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। ट्विंकल आज भले ही एक मशहूर राइटर हैं और एक्ट्रेस बन चुकी हैं, लेकिन कभी वह एक डिलीवरी गर्ल हुआ करती थीं। ट्विंकल खन्ना ने हाल ही अपनी पहली नौकरी के बारे में बात की है। ट्विंकल खन्ना ने बताया कि एक वक्त था जब वह मछली और झींगे बेचा करती थीं। लोग उन्हें देखकर पूछते थे कि तू मच्छीवाली है? ट्विंकल ने अपने शो TweakIndia में इस बात क खुलासा किया है। इसमें दिग्गज एक्टर जॉनी लीवर गेस्ट के तौर पर पहुंचे थे। इस एपिसोड में जॉनी के साथ-साथ ट्विंकल भी अपनी पर्सनल लाइफ के राज खोल रही थीं। दोनों ने ही खुलासे किए कि उन्होंने अपनी लाइफ में किस-किस तरह की अजीब नौकरियां की हैं। जॉनी लीवर ने बताया कि वह सड़कों पर पेन बेचने का काम कर चुके हैं। उनकी बिक्री अच्छी हो, इसके लिए वह एक्टरों की मिमिक्री करके पेन बेचते थे। ट्विंकल खन्ना ने अपनी पहली नौकरी के बारे में कहा, मुझे याद है कि मेरी पहली नौकरी मछली और झींगों की डिलीवर करना था। मेरी दादी की बहन की एक फिश कंपनी थी, जिसका नाम मच्छीवाला है। मैं जब भी इस बारे में किसी को बताती थी तो वो कहते थे कि तू मच्छीवाली है? ट्विंकल खन्ना ने आगे बताया कि बाद में उन्होंने एक इंटीरियर डेकोरेटर के तौर पर भी काम किया। वह चार्टेड अकाउंटेंट बनना चाहती थीं तो इसलिए साथ में ट्ट के एग्जाम के लिए भी अप्लाई किया था, लेकिन इसी दौरान उन्हें फिल्मों के ऑफर आने लगे। तब मां डिंपल कपाड़िया ने कहा कि लड़कियों के लिए कुछ पैसे कमाने का यही सही समय है।

अब पुलिस ऑफिसर बन दम दिखाएंगी अदा शर्मा

अदा शर्मा इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द केरल स्टोरी के लिए देशभर में खूब वाहवाही लूट रही है। वैसे, अदा ने हमेशा ही अपनी अदाकारी से साबित किया है कि वह किसी भी तरह की भूमिका में आसानी से खुद को ढाल सकती है, लेकिन द केरल स्टोरी के बाद जैसे उनके करियर को पंख लग गए। अब एक्ट्रेस अपनी अगली फिल्म की वजह से भी चर्चा में आ गई हैं। उन्हें द गेम ऑफ गिरगिट टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है।

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म में अदा के साथ श्रेयस तलपड़े को लीड रोल में देखा जाएगा। मेकर्स ने फिल्म गुरुवार को इस फिल्म का ऐलान किया है। विशाल पांड्या के निर्देशन में बनी इस फिल्म को गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित किया जा रहा है। फिल्म में अदा शर्मा एक पुलिसकर्मी का किरदार निभाती हुई नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस का ये रोल द केरल स्टोरी में निभाए गए उनके किरदार से बिल्कुल विपरीत होगा। अदा के फैंस उन्हें एक अलग अंदाज में देखने के लिए अभी से बेताब हो गए हैं। अपने इस रोल को लेकर अदा ने एक बयान में कहा, मैंने पहले भी फिल्म कमांडो में पुलिसकर्मी का किरदार निभाया है और इस फिल्म में भावना रेड्डी की भूमिका में मैं बहुत लोकप्रिय भी हुई। अब द गेम ऑफ गिरगिट में गायत्री भार्गव की भूमिका एक अलग तरह की पुलिस वाली का रोल है। फिल्म प्रोड्यूसर के मुताबिक, फिल्म द गेम ऑफ गिरगिट चर्चित ब्लू व्हेल गेम पर आधारित है। ब्लू व्हेल गेम एक इंटरनेट आधारित गेम है जिसे ब्लू व्हेल चैलेंज भी कहा जाता है इस गेम में कथित तौर पर खिलाड़ियों को आत्महत्या के लिए उकसाया जाता है। फिल्म में ऐप डेवलपर की भूमिका निभाने वाले श्रेयस तलपड़े ने कहा कि वह फिल्म की कहानी से काफी प्रभावित हैं।

श्रेयस का कहना है, मैं इस फिल्म को लेकर उत्सुक हूं। फिल्म में एक अच्छा संदेश भी है जो हमें लगता है कि यह दर्शकों तक, विशेष रूप से देश के बच्चों और युवाओं तक पहुंचना चाहिए।

फिल्म के डायरेक्टर विशाल पांड्या ने कहा, द गेम ऑफ गिरगिट आज की पीढ़ी की कहानी है, जो मोबाइल फोन ऐप पर अपनी निजी जानकारियों को साझा करने के बाद इसके परिणामों से अनजान हैं।

फिल्मों में एक्टिंग करना छोड़ देंगी प्रियंका चोपड़ा!

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीत चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। लेकिन इसी बीच उन्होंने कुछ ऐसा कहा है जिसे जानकर आप चौंक सकते हैं। प्रियंका ने हाल ही में कहा कि वह बेटी मालती के लिए अपना करियर छोड़ सकती है। प्रियंका ने अपने पैरेंट्स का उदाहरण देते हुए अपने माता-पिता के त्याग के बारे में बताया। प्रियंका चोपड़ा 40 साल की उम्र में बेटी की मां बनी हैं। 40 की उम्र में प्रियंका का करियर शानदार चल रहा है। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा कि वह बेटी मालती के लिए अपना करियर भी छोड़ सकती है। अगर उनकी बेटी बोले तो वह देश भी बदलने को तैयार हैं।

एक इंटरव्यू में प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि उस समय मैंने इसे ग्रांटेड लिया था। कुछ ऐसा है कि ये आपके पेरेंट्स का ही काम है। मेरा करियर मायने रखता है। मैंने ये तब तक नहीं सोचा था जब मैं अपनी बुक पर काम कर रही थी। फिर मैंने सोचा कि अब में 40 साल की हो गई हूं। मुझसे पूछा जाएगा कि मैं अपना करियर छोड़ दूं और देश बदल दूं तो मैं अपनी बेटी के लिए ये करुंगी। प्रियंका ने आगे बताया- यह एक बहुत बड़ा बलिदान है। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि हमें ऐसे माता-पिता मिले हैं जिन्होंने ऐसा किया, लेकिन ऐसे परिवार भी हैं जो सामाजिक दबाव में है। वह नहीं जानते हैं कि अपनी बेटियों को अप्रिशिएट नहीं करते हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि एक चीज जो हमें करने की जरूरत है। बच्चों की परवरिश के दौरान एक-दूसरे बातचीत करना, अपने बेटों को इस तरह से पालना होगा कि जिसमें महिलाओं का सम्मान हो समाज में अवसर पैदा करना जहां महिलाएं सत्ता के पदों पर हो। न केवल नौकरी पा लेना, बल्कि डिसीजन मेकर होना। मुझे लगता है कि यही हमारे लिए बदलने जा रहा है।

अजब-गजब | गुराज के इस समुदाय के अपने समाज में लगा रखी है पाबंदी

जिन युवाओं की बढ़ी दिखी दाढ़ी, उन्हें देना पड़ेगा 51000 हजार रुपये जुर्माना

बनासकांठा। शादियों के सीजन में गुजरात की यह खबर आपको हैरान भी करेगी और परेशान भी। हैरान इसलिए कि यहां के एक समुदाय ने शादियों को सादगी से संपन्न करने के मकसद से डीजे के शोर-शराबे पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। दूसरी तरफ, परेशान करने वाली बात यह है कि बैन दाढ़ी बढ़ाने पर भी लगाया गया है। अगर इस समुदाय के युवकों ने दाढ़ी का फैशन अपनाया तो उन्हें भारी भरकम जुर्माना चुकाना पड़ेगा।

यह असल में आंजणा चौधरी समुदाय है, जिसने बनासकांठा के घनेरा तालुका के 54 गांवों में सामाजिक सुधार कार्यक्रम के तहत ये फरमान सुनाए। पिछले दिनों 54 गांवों से इस समुदाय के प्रतिनिधि इकट्ठे हुए और 22 सूत्रीय 'समाज सुधारों' को आपसी रजामंदी से स्वीकार कर लिया गया।

इन सुधारों के मुताबिक अब अगर समुदाय में किसी ने इन फरमानों को नहीं माना, तो उससे अच्छा खासा जुर्माना वसूला जाएगा। कुछ मामलों में तो एक लाख रुपये तक भी। अगर समुदाय के युवकों ने दाढ़ी बढ़ाई तो उनसे 51000 रुपये तक का जुर्माना लिया जाएगा। समुदाय की बैठक के दौरान, शिकारपुरा के गणिपति दयारामजी महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म में केवल संतों और सावंतों को ही दाढ़ी बढ़ाने की इजाजत है। यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हमारे समुदाय के नौजवान दाढ़ी बढ़ाकर घूमते दिखें। 'इन युवाओं को दाढ़ी को लेकर होशियार रहना चाहिए। ऐसे जो युवा यहां दिखाई दिए हैं, उन्हें भी चेतावनी दे दी गई है।'समुदाय ने जो अन्य फैसले लिये, उनमें प्रमुख रूप से शोक काल के 12वें और 13वें दिन विलासितापूर्ण ढंग की चीजों का इस्तेमाल करने पर बैन लगाया गया है। इसके अलावा, पार्टी में खाना बनाने व परोसने के लिए कैटरर, शादी में डीजे, होटलों में जन्मदिन समारोह करने शादी जैसे समारोहों के लिए महंगे आमंत्रण पत्र छपवाए जाने जैसे मामलों पर भी कड़ी पाबंदियां लगाई गईं।

ये है कार पार्क करने की सबसे बदनाम गली नजर हटते ही गाड़ी का हो जाता है कबाड़ा

दिल्ली या अन्य बड़े शहरों में लोगों के सामने एक नई किस्म की समस्या उभरने लगी है। ये है कार को पार्क करने की। जैसे-जैसे लोगों की आमदनी बढ़ रही है, वो अपने लिए लक्जरी आइटम खरीदने लगे हैं। इसमें कार भी शामिल है। लेकिन कार खरीदने के बाद शुरू होती है असली समस्या। वो है कार पार्किंग की समस्या। जी हां, भारत में आपने पड़ोसियों को कई बार कार पार्क करने के लिए लड़ते सुना होगा। अगर किसी और की वजह से कार में एक छोटी खरोंच भी आ जाती है तो लोग हंगामा मचा देते हैं। जिस गली के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं वहां कार पार्किंग की समस्या ऐसी है कि आप हैरान रह जाएंगे। यहां कार में खरोंच नहीं आती। कार को सुरक्षित रात को आपने पार्क कर दिया तो सुबह ऐसा लगेगा जैसे गाड़ी का भीषण एक्सीडेंट हुआ है। कार का कबाड़ा यहां मिनटों में निकाल दिया जाता है। इसमें इतना कम समय लगता है कि आप सामने वाले को पकड़ भी नहीं पाएंगे। हम बात कर रहे हैं यूके के वेल्स में बने न्यूपोर्ट की। यहां से चैप्स्टोव रोड। इस रोड पर कार को खड़ा करना यानी कार का कबाड़ा निकलवाना। कार को कोई भी ठोंक कर निकल जाता है। किसी को इसका अफसोस नहीं होता ना ही कोई सॉरी बोलता है। कार को ठोकने के बाद लोग निकल जाते हैं। लोगों के घर के बाहर खड़ी कारों के साथ भी यही दुर्गति होती है। सोशल मीडिया पर इस रोड में रहने वाले ग्रिफिथ्स फैमिली ने अपना दु:ख शेयर किया। यहां मूव करने के बाद से अभी तक इस परिवार की आठ कारों को ठोंक दिया गया। परिवार की एंड्रू ग्रिफिथ्स ने बताया कि यहां घर के बाहर लगी कार को ही ठोंक दिया जाता है। ये सब होता है रात के बारह बजे के बाद। उसने काफी मेहनत से सेविंग्स की थी और अपनी लाइफ की पहली कार खरीदी थी। लेकिन रात को किसी ने उसकी कार को ठोंक कर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इन हादसों की रिपोर्ट तक पुलिस दर्ज नहीं करती। ऐसे में अब इस रोड में रहने वाले लोग अपनी कार को घर से दूर ही सुरक्षित पार्के करते हैं।

भाजपा की कुटिल चालों से रहना होगा सतर्क : कमलनाथ

» विधायकों की खरीद-फरोख्त का सकती है प्रयास कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों के नतीजों के रुझानों पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से सरकार बना रही है। लेकिन भाजपा विधायकों के खरीद-फरोख्त का प्रयास करेगी। उसने हमेशा ऐसा ही किया है।

शुरुआत मध्यप्रदेश से की थी। मुरैना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कमलनाथ ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस लगातार बढ़त बनाए हुए हैं। यह निश्चित है कि कांग्रेस की सरकार बनेगी। भारतीय जनता पार्टी का यह प्रयास रहेगा कि अन्य दलों से मिलकर खरीद-फरोख्त का सौदा करें। भाजपा ने हमेशा ऐसा ही किया है। मध्यप्रदेश में भी उसने यही किया था। भाजपा ने सौदेबाजी की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश से शुरू की थी। वह अभी खत्म नहीं हुई है।

अन्य राज्यों में गंवाई थी कांग्रेस ने सत्ता

कमलनाथ दूध के जले हैं, इसलिए छाछ भी फूंक-फूंककर पी रहे हैं। उनके बयान से साफ है कि दो साल पहले मध्यप्रदेश में जो हुआ, वह होने का डर उन्हें कर्नाटक में भी है। कर्नाटक में रुझान साफ हो गए हैं। इससे लग रहा है कि कांग्रेस बहुमत हासिल कर लेगी। मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला था। 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ली और फिर कमलनाथ की जगह शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बने थे।

बृजभूषण की स्टेटस रिपोर्ट विशेष अदालत में दाखिल

» आरोपों की जांच कर रही एसआईटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर केस दर्ज करने के बाद विशेष जांच समिति (एसआईटी) बना दी गई है। दिल्ली पुलिस ने विशेष अदालत में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने बताया, मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी बनाई गई है। उन्होंने आग्रह किया कि मामले की प्रकृति को देखते हुए रिपोर्ट को किसी से साझा नहीं किया जाना चाहिए। इसीलिए पुलिस ने सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल की है। अगली सुनवाई 27 मई को होगी।

एक और महिला पहलवान के दर्ज हुए बयान

स्टेटस रिपोर्ट रखे जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने एक और महिला पहलवान के 164 के तहत बयान दर्ज किए। पहलवानों के वकील नरेंदर हुड्डा के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष सात में से दो शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज हो चुके हैं। इनमें नाबालिग शिकायतकर्ता भी है। बृजभूषण के खिलाफ सबूत इकट्ठा करने के लिए दिल्ली पुलिस यूपी, झारखंड, कर्नाटक और हरियाणा गई थी।

मोका चक्रवात के खतरे से निपटने की तैयारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता ओल्गा सर्राडो ने कहा कि जरूरत पड़ने पर शिविर को आंशिक रूप से खाली करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि एजेंसी हजारों लोगों के गर्म भोजन के पैकेट और जेरीकैन तैयार कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि वह शिविरों के लिए 33 मोबाइल मेडिकल टीमों और 40 एंबुलेंस के साथ-साथ आपातकालीन सर्जरी और हैजा किट की तैयारी कर रहा है। वहीं, डब्ल्यूएचओ ने म्यांमार में अन्य आपूर्तियों के बीच पानी को साफ करने वाली पांच लाख गोलियों की व्यवस्था की है, जो पूरे मानसून मौसम का स्टॉक है।

डब्ल्यूएचओ की मार्गरिट हैरिस ने एक ब्रीफिंग में कहा, अगर यह चक्रवात के स्तर में बदल जाता है जिससे हम डरते हैं, तो हमें वास्तव में तैयार रहने की जरूरत है। विदेशी मीडिया के संवाददाताओं ने कहा कि म्यांमार के रखाइन प्रांत के निचले इलाकों के निवासियों ने शुक्रवार को अपने घरों को

छोड़ दिया और राज्य की राजधानी सितवे में आ गए लगभग एक हजार लोगों ने शहर के एक मठ में शरण ली है। 42 वर्षीय थांट जॉ ने कहा कि जब 2008 में चक्रवात नरगिस ने दक्षिणी म्यांमार को तबाह कर दिया था, तो देश के सबसे खराब प्राकृतिक आपदा में 130,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

समीर वानखेड़े पर सीबीआई ने दर्ज किया केस

» आर्यन खान से 25 करोड़ वसूलने की साजिश का लगा है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का क्रूज पर ड्रग्स मामले में अरेस्ट होना देशभर में बहुत चर्चा में था। दो साल पहले जब ये मामला खबरों से निकलकर लोगों की आम चर्चाओं का हिस्सा बना, तो नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के ऑफिसर समीर वानखेड़े का नाम भी सबकी जुबान पर आ गया। आर्यन खान केस के समय समीर वानखेड़े, एनसीबी की मुंबई विंग के डायरेक्टर थे।

अब समीर वानखेड़े एक बार फिर से चर्चा में हैं। सीबीआई ने वानखेड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। समीर वानखेड़े के साथ इस केस में कई अन्य अधिकारियों और प्राइवेट लोगों के नाम भी हैं। समीर के खिलाफ दर्ज हुए इस मामले में अब एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। सीबीआई के अनुसार, समीर वानखेड़े और उनकी जांच टीम के सदस्य, कॉर्डेलिया क्रूज शिप पर ड्रग्स रेड के मामले में अरेस्ट हुए लोगों के परिवारों

से 25 करोड़ रुपये वसूलना चाहते थे। सीबीआई के केस में गवाही देने वालों में से एक प्रभाकर सैल ने खुलासा किया कि उसके मालिक, के.पी. गोसावी ने कहा था कि उन्होंने आर्यन को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये मांगे हैं, जिसमें से आधे समीर वानखेड़े को दिए जाएंगे और बाकी बची रकम वे खुद रख लेंगे। इस खुलासे के बाद, एनसीबी ने वानखेड़े और उनकी टीम के खिलाफ विजिलेंस जांच शुरू कर दी और वो सभी मामले छीन लिए जिनमें उनकी टीम जांच कर रही थी। विजिलेंस की जांच में वानखेड़े और उनकी टीम की तरफ से भ्रष्टाचार से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई। जिसके बाद रिपोर्ट में सभी ऑफिसर्स के खिलाफ CCS नियमों के तहत कार्रवाई करने की सलाह दी गई।

रिश्वत में 50 लाख रुपये मिले थे एडवांस

सीबीआई ने अपने बयान में बताया कि केस में शामिल सभी लोगों पर आरोप है कि उन्होंने कथित रूप से समीर वानखेड़े के निर्देश पर, क्रूज केस के आरोपियों पर ड्रग्स रखने का आरोप लगाने की धमकी दी। बयान में ये भी कहा गया है कि ये सभी लोग 25 करोड़ रुपये वसूलने की कॉन्स्पिरेसी में शामिल थे और उन्हें एडवांस में बतौर रिश्वत, 50 लाख रुपये मिले भी थे। इसी मामले में दिल्ली, रांची, मुंबई, लखनऊ और चेन्नई समेत 29 जगहों पर सर्च किया गया। इस सर्च में आरोपों को पुख्ता करने वाले कई दस्तावेज, चीजें और नकदी बरामद हुई है। इस मामले से पहले वानखेड़े की पोस्टिंग एयरपोर्ट पर कस्टम्स में थी। एयर-एवट्रेसेज को विदेश में खरीदी चीजों की कस्टम ड्यूटी से जुड़े मुद्दों पर रोकने के लिए वानखेड़े का नाम मशहूर था। वानखेड़े को एनसीबी ने सुशांत सिंह राजपूत ड्रग केस में जांच के लिए, डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू सर्विसेज से लोन पर लिया था। इस मामले में उन्होंने रिया चक्रवर्ती, उनके भाई और कई लोगों को अरेस्ट किया था। हाल ही में, वानखेड़े को राष्ट्रीय सवंसेवक संघ के हेडक्वार्टर पर जाते और जनसभाएं करते देखा गया था। यह भी कहा जा रहा था कि वो राजनीति में कदम रखना चाहते हैं।

सूर्य-आकाश का जलवा, मुंबई की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईपीएल 2023 के 57वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 27 रन हरा दिया। इस जीत के साथ ही मुंबई ने गुजरात से पिछली हार का बदला पूरा कर लिया। इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादेव के शतक के चलते पांच विकेट पर 218 रन बनाए थे। इसके जवाब में गुजरात की टीम आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी और मैच 27 रन से हार गई।

हालांकि, इस हार के बावजूद गुजरात की टीम 16 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, मुंबई की टीम जीत के बाद 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। इस मैच में गुजरात के लिए राशिद खान ने शानदार प्रदर्शन किया। चार विकेट लेने के बाद उन्होंने 79 रन की शानदार पारी भी खेली, लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला और उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

सूर्यकुमार का आईपीएल में पहला शतक

सूर्यकुमार यादव ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए आईपीएल में अपना पहला शतक लगाया। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में 49 गेंदों में नाबाद 103 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार ने 11 चौके और छह छक्के लगाए और आईपीएल में यह उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। आईपीएल-16 में यह चौथा शतक लगा है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सूर्यकुमार ने 32 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 17 गेंद में 52 रन बना दिए। सूर्यकुमार ने पारी के 18वें ओवर में मोहित शर्मा की गेंदों में चार, चार, छह, चार जड़कर 20 रन जोड़ लिए।

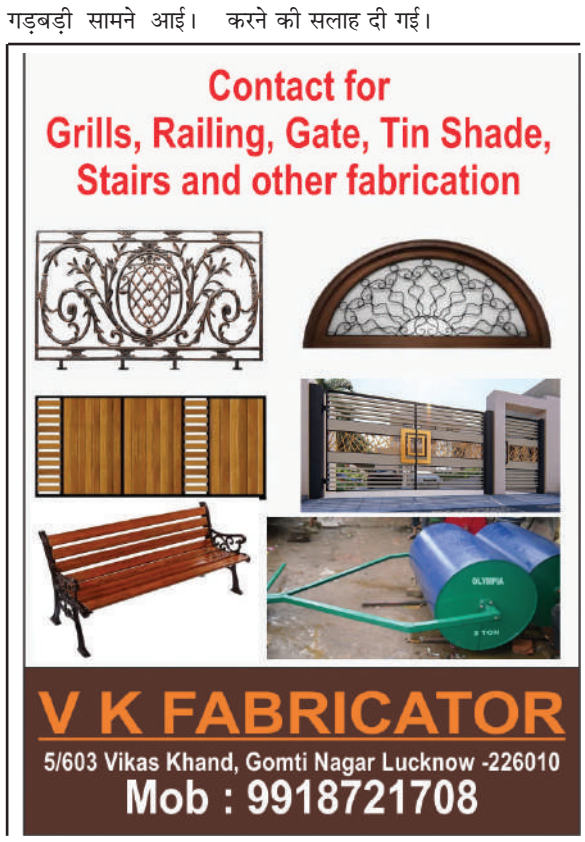

भगवामय हुआ यूपी निकाय चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव की लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत की तरफ बढ़ रही है। खासकर नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत का अंतर कई चीजों को साफ कर रहा है। वर्ष 2017 में यूपी के 16 नगर निगम में चुनाव हुए थे। लोकसभा चुनाव 2014 के बाद यूपी चुनाव 2017 में मिली भारतीय जनता पार्टी की सफलता का असर तब निगम चुनाव में भी दिखा था। 16 में से 14 सीटों पर भाजपा के मेयर जीत की शहर की सरकार की बागडोर संभाले थे। इस बार समाजवादी पार्टी की ओर से पूरा जोर लगाया गया। पश्चिम से लेकर पूरब तक अखिलेश यादव और उनके सहयोगी दल राष्ट्रीय दल को बड़ी सफलता मिलती नहीं दिख रही है।

हालांकि, इस बार आगरा नगर निगम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी जीत एक अलग संदेश देता दिख रही है। अब तक नगर निगम के रुझान और परिणाम योगी आदित्यनाथ के दूसरे टर्म के शासनकाल में लिए गए निर्णयों पर अपनी मुहर लगाते दिख रहे हैं। नगरपालिका परिषद की 199 चेयरमैन पद की सीटों पर भाजपा ने 98, सपा ने 59, बसपा ने 19 और कांग्रेस ने 7 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है। 544 नगर पंचायतों के रिजल्ट-रुझान में भी भाजपा ने 237 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है।

रुझान/नतीजे

	बीजेपी	सपा	बसपा	कांग्रेस	अन्य
नगर निगम मेयर	17	00	00	00	00
नपाप अध्यक्ष	100	60	20	08	00
नपं अध्यक्ष	250	140	28	36	00

17 नगर निगम सीट पर भाजपा ने बना ली है बढ़त

योगी के काम पर मोहर

उत्तर प्रदेश में नगर निगम चुनाव को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। इसके पीछे की वजह योगी सरकार के पहले साल में लिए गए निर्णयों का शहरी जनता के बीच प्रभाव का आकलन किया जाना था। अब तक जिस प्रकार के परिणाम सामने आए हैं, उसके अनुसार प्रदेश के 17 नगर निगम में भाजपा को बढ़त मिली। इसमें से एक सीट झांसी पर भाजपा उम्मीदवार को जीत मिल चुकी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल में यह चुनाव सबसे बड़ा माना जा रहा था। नगर निगम का क्षेत्र काफी बड़ा होता है। ऐसे में यहां पर पार्टी की छवि के आधार पर वोट का गणित तय होता है। नगरपालिका परषद और नगर पंचायतों में उम्मीदवारों का चेहरा भी महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन नगर निगम चुनाव इस मायने में अलग होता है। यूपी नगर निगम चुनाव में मेयर पद को लेकर तमाम राजनीतिक दलों ने पूरा जोर लगाया था। यूपी चुनाव 2022 में सीएम योगी के बुलडोजर मॉडल की खासी चर्चा थी। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में वकील उमेश पाल की हत्या के बाद योगी के बुलडोजर मॉडल पर सवाल खड़े किए गए। योगी सरकार की एनकाउंटर नीति और अपराधियों पर हुई लगातार कार्रवाई भी खासी चर्चा में रही। लेकिन, यूपी नगर निगम चुनाव के आ रहे परिणाम ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। योगी एक बार फिर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभरे हैं।

अखिलेश के लिए चुनौती बड़ी

अखिलेश यादव ने यूपी नगर निगम चुनाव के लिए पूरा जोर लगाया था। जाट वोट बैंक को साधने के लिए पश्चिमी यूपी में कई सीटों पर राष्ट्रीय लोक दल के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी ने चुनाव लड़ा। वही, दलित वोटों को साधने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को साथ लिया गया। लेकिन, अखिलेश यादव की रणनीति यहां काम करती नहीं दिखी। पार्टी के खिलाफ मुसलमान वोटों की नाराजगी का मुद्दा खासा गरमाया हुआ दिख रहा है।

मायावती ने दे दिए बड़े संदेश

मायावती ने नगर निकाय चुनाव के जरिए बड़ा संदेश दिया है। आगरा में पार्टी उम्मीदवार के प्रदर्शन ने साफ किया है कि दलित और मुस्लिम गठबंधन को साधने में पार्टी कामयाब रही। इस प्रकार का गठजोड़ कई सीटों पर होता दिखा है। यह सपा के मुस्लिम- यादव समीकरण को ध्वस्त करता दिख रहा है। वहीं, दलित वोट बैंक पर पिछले दिनों जिस प्रकार से भाजपा, सपा के साथ-साथ आजाद समाज पार्टी ने अपनी नजर बनाई थी।

ओवैसी की पार्टी का भी खुला खाता

बरेली। बरेली जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच नगर निकाय चुनाव की मतगणना जारी है। बरेली कॉलेज और परसाखेड़ा मतगणना स्थल पर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। दोनों स्थानों पर पीएसी और पैरामिलेट्री फोर्स के साथ दो हजार पुलिसकर्मी भी तैनात किए हैं।

विधानसभा व लोकसभा उपचुनाव के नतीजे

स्वार सीट पर भाजपा गठबंधन की जीत

नोएडा। कर्नाटक विधानसभा के साथ ही आज देश भर में हुए उपचुनाव के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे। यूपी के स्वार सीट पर अपना दल को जीत मिली,जबकि छानबे पर सपा आगे चल रही। जिन सीटों पर उपचुनाव हुए हैं, उनमें उत्तर प्रदेश की दो, मेघालय की एक और ओडिशा की एक विधानसभा सीट शामिल है। इसके अलावा, पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे भी आज घोषित किए जाएंगे। वोटों की गिनती जारी है।

जालंधर में आप को निर्णायक बढ़त

जालंधर लोकसभा सीट पर अब तक हुई मतगणना में आम आदमी पार्टी के सुशील कुमार रिंकू आगे चल रहे हैं। सुशील कुमार रिंकू को दो लाख 73 हजार 431 मत मिले हैं, जबकि भाजपा के इंदर इकबाल सिंह अटवल को एक लाख 29 हजार 509, शिरोमणि अकाली दल के सुखविंदर सुखी को एक लाख 36 हजार 857 और कांग्रेस की करमजीत कौर चौधरी को दो लाख 21 हजार 350 वोट मिले हैं।

ओडिशा में बीजद उम्मीदवार आगे

ओडिशा की झारसुगुड़ा सीट पर बीजद प्रत्याशी दीपाली दास आगे चल रही हैं। दीपाली दास को एक लाख सात हजार तीन मत मिले हैं, जबकि भाजपा उम्मीदवार तंकधर त्रिपाठी को 58 हजार 384 वोट हासिल हुए हैं।

फोटो: सुमित कुमार

जश्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जश्न मनाते पार्टी कार्यकर्ता।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।